देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित www.page3news.in नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 281 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
भारत की भूमिका

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 18 फरवरी 2025

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 11.0° | 82924.41 | 2 यूक्रेन को यूरोप देगा एक लाख फौजी ? | 7 शमी होंगे सबसे बड़े हथियार

चीन हमारा दुश्मन नहीं: सैम पित्रोदा

चीन वाले बयान पर फंसे पित्रोदा, कांग्रेस ने किया किनारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चीन वाले बयान को लेकर ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा फंसते नजर आ रहे हैं। उनके बयान से कांग्रेस ने खुद को अलग कर लिया है और कहा कि वह उनका निजी बयान है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक एक्स पोस्ट में साफ किया कि पित्रोदा के बयान से कांग्रेस पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। दरअसल, कांग्रेस की ये प्रतिक्रिया पित्रोदा के उस बयान पर सानने आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है, भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद करना चाहिए।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सैम पित्रोदा द्वारा चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं।

उन्होंने इस पोस्ट में आगे कहा कि चीन हमारी विदेश नीति, बाह्य सुरक्षा, और आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार–बार सवाल उठाए हैं। जिसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से चीन की दी गई क्लीन चिट भी शामिल है। चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी 2025 को जारी किया गया था।

इस बयान पर कांग्रेस का रुख साफ करते हुए उन्होंने लिखा कि यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद को इस स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकालने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस की तरफ से ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने पित्रोदा के बयान की तीखी आलोचना की।

अब तक हुआ विवाद

- विरासत कर की वकालत की थी।
- राम मंदिर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।
- 1984 के सिख विरोधी दंगों पर कहा था– हुआ तो हुआ
- बालाकोट एयर स्ट्राइक पर उठाए थे सवाल
- संविधान बनाने में नेहरू के योगदान को बताया था ज्यादा अहम

पित्रोदा के बयान पर घमासान

जानकारी दें कि एक साक्षात्कार में सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर एक ऐसा बयान दिया कि नया विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि भारत को चीन को दुश्मन मानना बंद करना चाहिए। सैम पित्रोदा ने कहा, चीन से खतरे को नहीं समझता। मुझे लगता है कि इस मुद्दे को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है क्योंकि अमेरिका की प्रवृत्ति दुश्मन को परिभाषित करने की है। मेरा मानना है कि सभी देशों के लिए सहयोग करने का समय आ गया है, टकराव का नहीं।

बीजेपी ने की पित्रोदा के बयान की निंदा

सैम पित्रोदा के इस बयान को लेकर बीजेपी ने आपत्ति जताई है। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा की बात भारत की संप्रभुता और कूटनीति के खिलाफ है। कांग्रेस के चीन के साथ हुए करार का इजहार हो गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा ने कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ समझौते की खुलकर पोल खोल दी है। गंभीर बात ये है कि सैम पित्रोदा ने जिस तरह की बात कही है, वो भारत की अस्मिता, कूटनीति और संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है। राहुल गांधी भी विदेश में ऐसे कई बयान दे चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रयागराज में 20 फरवरी तक बंद रहेंगे 8वीं तक के स्कूल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज

प्रयागराज। महाकुंभ में स्नान करने के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने प्रयागराज के स्कूलों को 20 फरवरी तक बंद रखने का आदेश दिया है। प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, कक्षा एक से कक्षा आठ तक के सभी स्कूल 20 फरवरी तक बंद रहेंगे, हालांकि, कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी। इसके साथ ही 28 फरवरी तक संगम स्टेशन को भी बंद रखा गया है।

इंडियाज गॉट लैटेंट के सभी सदस्यों पर एफआईआर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लैटेंट' विवाद में नया अपडेट सामने आया है। जहां रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना और अपूर्वा मुखीजा समेत 42 लोगों को समन भेजा गया था। वहीं अब इस शो के सभी एपिसोड से जुड़े तमाम लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

रिस्पना और बिंदाल कॉरिडोर का कार्य जल्द किया जाए शुरू: सीएम

सीएम धामी ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में देहरादून एलिवेटेड कॉरिडोर की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि रिस्पना और बिंदाल कॉरिडोर का कार्य जल्द शुरू किया जाए।

देहरादून एलिवेटेड कॉरिडोर को एक्सप्रेसवे से जोड़ते हुए केन्द्र से सहयोग का अनुरोध करने और स्टेट सेक्टर से शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये हैं। देहरादून में आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से हो रही वृद्धि, पर्यटकों की संख्या में हो रही वृद्धि और दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे के बनने के बाद यातायात में संभावित वृद्धि के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने देहरादून एलिवेटेड कॉरिडोर का कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश दिये हैं।

रिस्पना नदी के तल पर 11 किलोमीटर और बिंदाल नदी के तल पर 15 किलोमीटर लंबे चार लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य होना है। इन नदियों के अन्दर स्थित जन सेवाओं विद्युत लाइन, हाई टेंशन लाइन, सीवर लाइन का नदी से बाहर विस्थापन होना है। एलिवेटेड रोड के साथ नदी के दोनों किनारों पर रिटेनिंग वाल और निर्माण और बाढ़ सुरक्षा का कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आबादी और वाहनों की वृद्धि के दृष्टिगत राज्य के अन्य शहरों के लिए भी सुनियोजित प्लान पर कार्य किया जाए।

आउटपुट धरातल पर दिखे: सीएम

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि राज्य में जो भी विकास के कार्य किये जा रहे हैं, उनका आउटपुट धरातल पर दिखे। कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा आगामी राजजात यात्रा के लिए भी तैयारी शुरू की जाए। उन्होंने यूआईआईडीबी, देहरादून एलिवेटेड रोड, गढ़वाल और कुमांऊ की कनेटिविटी के कार्यों, मानसखखण्ड मंदिर माला मिशन, आगामी नंदा राजजात की तैयारियों नियमित समीक्षा की जाए।

सरकारी स्कूलों में बच्चे काम्पलेक्स फील न करें

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड परिषदीय परीक्षा 2025, विद्यालयों में आपदा प्रबंधन क्षमता संवर्धन और "प्रोजेक्ट उत्कर्ष" को लेकर जिलाधिकारी सविन वंसल की अध्यक्षता में सोमवार को हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र गढीकैंट नीम्बूवाला देहरादून में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद के सभी विद्यालयों के प्राधानाचार्य/केंद्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन सहित प्राजेक्ट उत्कर्ष से जुड़े सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने सभी केंद व्यवस्थापकों और कस्टोडियन को निर्देशित किया कि उत्तराखंड परिषदीय परीक्षा को नकल विहीन एवं परीक्षा से जुड़े सभी दायित्वों का त्रुटिरहित निर्वहन करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक स्तर पर नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराना मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। परीक्षाओं को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सभी विद्यालयों को आवश्यक सुरक्षा फोर्स भी उपलब्ध करा दी जाएगी। विद्यालयों में आपदा प्रबंधन और क्षमता संवर्धन को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चे अपना आधा दिन स्कूल में रहते है। ऐसे में बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना हम सबका दायित्व है।

निर्देश

- डीएम ने दिए निर्देश, स्कूलों में सुविधा उपलब्ध कराने को अध्यापक सजग रहें

आपदा प्रबंधन को लेकर पूरा प्रशिक्षण देने के निर्देश

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी और मुख्य शिक्षा अधिकारी को सभी शिक्षकों को आपदा प्रबंधन को लेकर पूरा प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

राष्ट्रपति शासन ही लगा देते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी यमुना की सफाई का मुद्दा खूब जोर–शोर से उठाया था। इस मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए भाजपा ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर यमुना रिवर फ्रंट बनाया जाएगा। ऐसे में अब भाजपा के चुनाव जीतने के बाद और सरकार गठन से पहले ही यमुना की सफाई का काम भी शुरू कर दिया गया है। कचरा निकालने के लिए बड़ी–बड़ी मशीनें मंगवाई गई हैं।

उपराज्यपाल कार्यालय ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एलजी वीके स्कसेना ने मुख्य सचिव और एसीएस से मुलाकात कर उन्हें तुरंत काम शुरू करने के लिए कहा था। हालांकि अब इस मामले आप पार्टी ने निशाना साधा है और कहा कि इससे अच्छा राष्ट्रपति शासन ही लग जाता। आतिशी ने कहा, मैं बीजेपी से पूछना चाहती हूं कि वे तय करें कि वे सरकार चला रहे हैं या नहीं।

- यमुना की सफाई पर आम आदमी पार्टी ने निशाना साधा

न्यूज डायरी

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद के साले की पाकिस्तान में हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। हाफिज सईद के आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा के राजनीतिक विंग के नेता मौलाना काशिफ अली की पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, काशिफ अली भारत के सबसे मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद का साला था। खुरासान डायरी ने पुलिस के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के नेता काशिफ अली को पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी में उनके घर के दरवाजे पर गोली मारी गई। अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर भाग निकले। पीएमएमएल की स्थापना हाफिज सईद ने की थी। इसे लश्कर–ए–तैयबा की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। मौलाना काशिफ को हाफिज सईद का दाहिना हाथ समझा जाता था। पीएमएमएल के प्रवक्ता ने काशिफ अली की मौत को आतंकवादी घटना बताया है। काशिफ अली की हत्या ने पाकिस्तान में सनसनी फैला दी है। लश्कर–ए तैयबा से जुड़े संगठनों ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना की है और हत्यारों की तत्काल की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पिछले एक महीने में लश्कर–ए–तैयबा के तीन आतंकी मारे जा चुके हैं। इनमें दो की मौत सड़क दुर्घटना में हुई है। बीते कुछ सालों में पाकिस्तान के अंदर कई भारत विरोधी आतंकी अज्ञात बंदूकधारियों के हाथों मारे जा चुके हैं।

ट्रंप ने भेजा शक्तिशाली बम एमके–84, जो बाइडन ने लगाया था बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरूशलम। अमेरिका ने इजरायल को बमों को भारी खेप भेजी है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एमके–84 बमों की डिलीवरी पर अस्थायी रोक हटाने के बाद यह खेप भेजी है। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की। मंत्रालय ने कहा कि इजराइल को भारी एमके–84 बमों की खेप मिली है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि गोला–बारूद की यह खेप शनिवार देर रात इजराइली बंदरगाह अशदोद पहुंची। रात भर में इसे उतार लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने एक वीडियो फुटेज जारी किया है। इसमें शिपिंग कंटेनरों को दर्जनों ट्रकों पर लोड होते देखा जा सकता है। बात में इन ट्रकों को इजराइल की वायु सेना ठिकानों तक ले जाया गया। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन को बम की डिलीवरी और इजराइल के प्रति अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 7 अक्टूबर 2023 को गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से 678 एयरलिफ्ट और 129 समुद्री शिपमेंट के माध्यम से 76,000 टन से अधिक सैन्य उपकरण इजरायल पहुंच चुके हैं। जो बाइडन प्रशासन ने एमके–84 बमों की डिलीवरी पर प्रतिबंध लगाया था।

यूएई ने भारतीयों के लिए खोले दरवाजे, वीजा ऑन अराइवल पर बड़ा ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा ऑन अराइवल प्रोग्राम को बढ़ा दिया है। अब इसमें छह और देशों के वैध वीजा, रेजिडेंस परमिट और ग्रीन कार्ड धारक भारतीयों को भी शामिल किया गया हैं। इसे इसी महीने से लागू कर दिया गया है। 13 फरवरी, 2025 से सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के वैध दस्तावेज वाले भारतीय पासपोर्ट धारक भी यूएई आने पर वीजा के लिए पात्र होंगे। वीजा ऑन अराइवल ऐसी सुविधा है, जिसमें यात्री पहले से वीजा ना होने पर भी किसी देश में एंट्री कर सकते हैं। यूएई का यह कदम भारतीयों के लिए दुबई और अबुधाबी जैसे शहरों में निवास और रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा। साथ ही ये यीएई को एक वैश्विक केंद्र के रूप में मजबूत करने में मददगार साबित होगा।

चीनी सेना युद्ध के लिए फिट नहीं, राजनीति पर ज्यादा ध्यान

रिपोर्ट

ड्रैगन पर सामने आई सनसनीखेज रिपोर्ट, आधुनिक हथियारों पर भी सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीन को दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में गिना माना जाता है, जिसके पास मजबूत आर्मी और आधुनिक हथियार हैं। चीन की आर्मी के बारे में इस धारणा को एक नई रिपोर्ट ने चुनौती दी है, जो कहती है कि चीनी आर्मी तो युद्ध लड़ने के लिए तैयार ही नहीं है। अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट का दावा है कि चीनी की सत्ताधारी पार्टी सरकार बने रहने के लिए फौज को बेहतर कर रही है ना कि सेना को युद्ध के लिए तैयार कर रही है। ऐसे में मौका आने पर युद्ध के मैदान में चीनी फौज को मुश्किल हो सकती है।

अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट कहती है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सेना को मजबूत तो करने का मकसद सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखना है, ना कि किसी बाहरी दुश्मन से लड़ना। रिपोर्ट के लेखक टिमोथी हीथ का तर्क है कि चीनी सेना का ध्यान शी जिनपिंग और ब्ब शासन को बनाए रखने पर है। चीन का सैन्य आधुनिकीकरण ही सीसीपी शासन की अपील और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए बनाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलए अपने प्रशिक्षण समय का 40 फीसदी तक राजनीतिक विषयों पर खर्च करता है। हीथ कहते है, इस समय का उपयोग युद्ध में महारत हासिल करने में किया जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं है। इससे सवाल उठता है कि पीएलए आधुनिक युद्ध के लिए कितना तैयार है। पीएलए यूनिट के नेतृत्व में भी राजनीतिक लोग शामिल होते हैं, जो युद्ध क्षमता के बजाय पार्टी के प्रति वफादारी पर जोर देते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और चीन के बीच पारंपरिक युद्ध की संभावना बहुत कम है। पेंटागन के योजनाकारों को मिसाइलों और बमों से परे चीनी खतरों की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हालांकि कुछ विशेषज्ञ रिपोर्ट के निष्कर्षों से असहमत हैं। उनका कहना है कि शी जिनपिंग ने अपना शीर्ष सैन्य लक्ष्य स्पष्ट कर दिया है। ये लक्ष्य ताइवान पर कब्जे का है और चीनी ऐसा करने के लिए तैयार है।

हीथ ने चीन के आधुनिक होते हथियारों के जखीरे पर भी सवाल किए हैं। उनकी रिपोर्ट में लिखा है कि इतिहास ने बार–बार दिखाया है कि सेनाएं अक्सर युद्ध में अपने उन्नत हथियारों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में फेल होती हैं। रिपोर्ट में यूक्रेन में युद्ध का उदाहरण दिया गया है, जहां एक बेहतर हथियारों से लैस सेना जीत हासिल करने में विफल रही है।

मैं अपनी सेना यूक्रेन भेजने को तैयार हूं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन अपनी सेना यूक्रेन भेजने को तैयार है। स्टार्मर ने कहा कि अगर यूरोप की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता हुई तो ब्रिटेन अपनी सेना को यूक्रेन भेजने को तैयार है। स्टार्मर का यह कदम अमेरिका के कदम पीछे खींचने के बाद आया है।

कीर स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को बढ़चढ़ समर्थन कर रहा है। जरूरत पड़ने पर यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने की खातिर भी तैयार रहना होगा। उन्होंने आगे कहा कि अपने सैनिकों को जमीन पर उतारना भी अहम है।

ब्रिटिश पीएम ने कहा कि मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं। ब्रिटिश सैनिकों और महिलाओं को संभावित रूप से खतरे में डालने की जिम्मेदारी बहुत गहराई से महसूस की जाती है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देना हमारे महाद्वीप और देश की सुरक्षा में मदद करेगा।

अमेरिका यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को खत्म करने की कोशिश में जुटा है। मगर उसके इस कदम से यूरोप में चिंता की लहर पैदा हो गई है।

सुचिर की मौत आत्महत्या की वजह से हुई हैः पोस्टमार्टम रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के रिसर्चर सुचिर बालाजी की संदिग्ध हालात में मौत हो थी। वो व्मद।ए के पूर्व रिसर्चर थे। उन्होंने ओपन एआई को खतरनाक बताया था। वो सैन फ्रांसिस्को स्थित अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। सुचिर की मौत को लेकर सैन फ्रांसिस्को पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से एक बड़ा दावा किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सुचिर की मौत आत्महत्या की वजह से हुई है। कई हफ्तों की जांच और बार–बार पूछताछ के बाद अधिकारियों ने बताया कि उनके हत्या की कोई सबूत नहीं मिली है। सुचिर बालाजी के माता–पिता का आरोप है कि उनके बेटे की हत्या हुई है। मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट में कहा गया है,ओसीएमई को हत्या का कोई सबूत नहीं मिला है।

यूक्रेन को यूरोप देगा एक लाख फौजी ? भारत–पाकिस्तान पर भी नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- वोलोडिमिर जेलेंस्की सुरक्षा को लेकर जता रहे चिंता

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच चीन साल से जारी लड़ाई को रोकने की कोशिश में हालिया समय में तेजी आई है। रूस और अमेरिका के बीच इस मुद्दे पर सऊदी अरब में बातचीत होना तय हो गया है। इस सबके बीच यूक्रेन की सरकार अपने देश की सुरक्षा की गारंटी पर जोर दे रही है। ऐसे में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी बॉर्डर पर एक लाख सैनिकों की एक शांति सेना तैनात करने का प्रस्ताव रखा है। उनका यह प्रस्ताव अमेरिका के यूक्रेन की नाटो सदस्यता हासिल करने की कोशिश को खारिज करने के बाद आया है। अमेरिका ने यूक्रेन में अपने सैनिकों की तैनाती से भी नकार दिया है। ऐसे में जेलेंस्की सुरक्षा की वैकल्पिक गारंटी की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इसमें बड़ा सवाल ये है कि क्या अमेरिका के किनारा करने के बाद यूरोप अकेले इतनी बड़ी शांति सेना जुटा सकता है।

खमेल्नित्स्की परमाणु ऊर्जा संयंत्र के दौरे के दौरान जेलेंस्की ने कहा कि सवाल सुरक्षा की गारंटी का है। इसे कैसे पूरा किया जाएगा, यह नाटो से होगा या फिर शक्तिशाली मिसाइलें और परमाणु हथियार होंगे। या फिर हमें कोई पैकेज दिया जाएगा। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की हिफाजत के लिए सीमा पर 1,00,000 सैन्य कर्मियों की जरूरत है और ये हमें मिलने चाहिए।

यूक्रेन और रूस के बीच बॉर्डर को देखते हुए एक लाख सैनिकों की शांति सेना प्रति किलोमीटर एक प्लाटून से कम होगी। यूक्रेन युद्ध में सक्रिय सीमा रेखा करीब 1,200 किमी लंबी है। यूक्रेन और रूस के बीच की सीमा को मिलाकर यह सीमा रेखा 2,300 किमी से अधिक लंबी हो जाती है। रूस की बेलारूस में हजारों सैनिकों को तैनात करने की योजना है। इसलिए विश्वसनीय सुरक्षा व्यवस्था में यूक्रेन–बेलारूस सीमा पर भी अंतरराष्ट्रीय शांति सेना की तैनाती होनी चाहिए।

चीन के साथ कोई बीआरआई लोन नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मस्कट। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने चीन को बड़ा झटका दिया है। देउबा ने कहा कि नेपाल चीन के कर्ज का जाल बन चुके बेल्ट एंड रोड प्राजेक्ट के तहत कोई लोन नहीं ले रहा है। इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली की बीजिंग यात्रा के दौरान उन पर दबाव डाला था कि बीआरआई के तहत लोन लेकर विभिन्न प्राजेक्ट को मंजूरी दे। नेपाली विदेश मंत्री ने भारत के साथ रिश्तों की जमकर तारीफ की है लेकिन साथ ही नई दिल्ली के रुख को लेकर उनका दर्द भी छलका है। देउबा ने कहा कि भारत के साथ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर विशेष फोकस किया जा रहा है। 6 महीने से ज्यादा वक्त हो गया है लेकिन अभी भारत ने उन्हें नई दिल्ली आने का न्योता तक नहीं दिया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

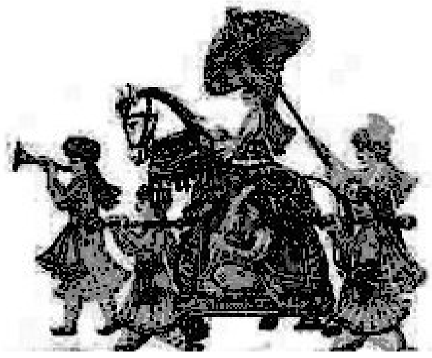

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

दर्ज समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से करें: सीडीओ

जन संवाद

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में 17 समस्याएँ दर्ज

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मुख्य विकास अधिकारी डॉ जी.एस. खाती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से संबंधित 17 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा शेष समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जन संवाद कार्यक्रम में पूर्व प्रधान जसोली महावीर सिंह चौधरी ने बताया कि कोट–तल्ला नहर जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते नहर से जुड़े हुए गांवों में सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे काश्तकारों का नुकसान हो रहा है। उन्होंने क्षतिग्रस्त नहर को ठीक करने की मांग रखी। ग्राम सौन्दा के प्रशासक राकेश प्रसाद नौटियाल ने बताया

कि सौन्दा गांव में भूस्खलन होने से पांच से छः परिवारों के खेत क्षतिग्रस्त हो गये हैं, उन्होंने संबंधित विभाग से समस्या का हल किये जाने की मांग उठायी है। उनियाणा गांव के महावीर सिंह पंवार ने शिकायत दर्ज कराई कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय उनियाणा के प्रधानाध्यापक सेवानिवृत्ति हो गये हैं, जिसके चलते विद्यालय के पठन–पाठन की जिम्मेदारी एक शिक्षक पर आ गई है, उन्होंने वहां एक अन्य शिक्षक की नियुक्ति की मांग उठाई है। दरमोला निवासी पुष्कर सिंह ने अपने घर के ऊपर बिजली की तारों से हो रहे खतरे के संबंध में विद्युत विभाग से तारों को शिफ्ट करने की मांग उठाई है। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी सड़क, बिजली, पानी आदि से संबंधित समस्याओं को जन संवाद कार्यक्रम में दर्ज करवाया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जन संवाद कार्यक्रम में दर्ज शिकायतों और समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से करना सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी दशा में कोई विलंब न हो। उन्होंने कई आवेदन पत्रों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों व उपजिलाधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर आख्या जल्द से जल्द दिए जाने के आदेश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण की जानकारी जिला कार्यालय एवं संबंधित शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से अवगत कराई जाए। उन्होंने इन्हें त्वरित निस्तारित करने के निर्देश दिए और सभी अधिकारियों को सचेत किया कि इसमें किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए।

न्यूज डायरी

परीक्षा केंद्रों के 100 गज की परिधि अन्तर्गत धारा 163 लागू

संवाददाता चमोली। उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं 21 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशों के क्रम में परीक्षा को व्यवस्थित, नकल विहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों के 100 गज की परिधि अन्तर्गत धारा 163 लगायी गयी है। परीक्षा केन्द्र के 100 गज की परिधि में 05 से अधिक व्यक्ति परीक्षा में बाधा डालने या कानून व्यवस्था भंग करने के उददेश्य से एक स्थान पर एकत्रित नहीं होंगें, लाउडस्पीकर का प्रयोग वर्जित रहेगा, परीक्षा केन्द्र पर किसी प्रकार अस्त्र शस्त्र ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही प्रिंट आउट एवं फोटोस्टेट की दुकानें पूर्ण रूप बंद रहेगी। कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्र में किसी का साहित्य, प्रेस नोट, पैम्लेट, पोस्टर बैनर आदि नहीं लगाएगा ना ही बंटवाएगा। यह आदेश 20 फरवरी की सांय 6 बजे से 11 मार्च के सांय 5 बजे तक लागू रहेगा।

उत्तराखण्ड के सभी निवासियों को यूसीसी पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य

संवाददाता चमोली। उत्तराखण्ड के सभी निवासियों को यूसीसी पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 जनवरी से उत्तराखण्ड में यूसीसी लागू हो गयी है। 26 मार्च 2010 के बाद से सभी को विवाह, विवाह विच्छेद या लीविंग का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 18 फरवरी को 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सीएससी सेंटर संचालकों के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। उन्होंने सभी मुख्यालय स्तर पर तैनात अधिकारी कर्मचारियों को कार्यशाला में प्रतिभाग कर अपना रजिस्ट्रेशन कराने को कहा। साथ उन्होंने आम जनमानस से अपील की है वे भी समय से यूसीसी पोर्टल पर अपना विवाह का पंजीकरण कराएं।

पेयजल की समस्या अधिकतर वार्डों में आयी सामने

संवाददाता हरिद्वार। नगर निगम की बोर्ड की बैठक में नगर आयुक्त वरुण चौधरी ने बैठक से पूर्व जिले के अन्य विभाग के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया। नगर आयुक्त और मेयर किरण जैसल की इस पहल का सभी पार्षदों ने स्वागत किया। लेकिन इस बैठक में सबसे अधिक शिकायत पेयजल संबंधि सामने आयी।

हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के दौरान धारा-163 हुई लागू

संवाददाता रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर नैनीताल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं 21 फरवरी से 11 मार्च 2025 तक तहसील रुद्रप्रयाग के 22 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के सफल संचालन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट, रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल ने तहसील रुद्रप्रयाग क्षेत्र में धारा–163 लागू करने के आदेश जारी किए हैं।

आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों के आसपास पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक होगी। परीक्षार्थी और परीक्षा संचालन से जुड़े कर्मी इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। परीक्षा केंद्रों के निकट ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर), जुलूस, रैली, जश्न आदि पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों के पास आग्नेयास्त्र, लाठी, चाकू, तलवार, पटाखे, बम, ज्वलनशील पदार्थ, एसिड आदि ले जाने पर सख्त पाबंदी रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचाना दंडनीय होगा।

केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के उत्तेजनात्मक भाषण, नारेबाजी, दीवारों पर नारे लिखना या भ्रामक साहित्य का प्रचार–प्रसार वर्जित होगा। कोई भी व्यक्ति सड़क या पैदल मार्गों में बाधा उत्पन्न नहीं करेगा, न ही परीक्षा केंद्र की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेगा।

वीरेश्वर तोमर ने जिला सूचना अधिकारी का कार्यभार संभाला

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिला सूचना कार्यालय में सोमवार को नवनियुक्त जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर ने विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया, जिसमें अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह सहित सभी कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में सूचना विभाग के कार्यों में नई ऊर्जा एवं सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई। अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह ने वीरेश्वर तोमर को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनके अनुभव और कुशल नेतृत्व से सूचना विभाग को मजबूती मिलेगी और कार्यों में पारदर्शिता आएगी।

शहर में जो स्मार्ट सिटी के कार्य अधूरे पड़े हैं उन्हें तत्काल पूरा करायें

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने शहर की विभिन्न जन समस्याओं के निराकरण को नगर निगम मेयर नगर निगम जिला देहरादून को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन में नेताजी संघर्ष समिति ने कहा मेयर सौरभ थपलियाल को जनपद देहरादून का मेयर भारी मतों से विजयी होने पर बधाई प्रेषित करने के साथ–साथ शहर की जन समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती है जिसमें शहर में जो स्मार्ट सिटी के कार्य अधूरे पड़े हैं उन्हें तत्काल पूरा कराया जाए। शहर की क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण कार्य बरसात से पूर्व कराया जाए ताकि

नेताजी संघर्ष समिति नेनगर निगम मेयर को प्रेषित किया ज्ञापन

जनता को होने वाली कठिनाइयों से बचाया जा सके। शहर में बढ़ते लावारिस पशुओं के लिए गौशाला का निर्माण कराया जाए।

राज्य आंदोलनकारियों को हाउस टैक्स में छूट दी जाए इससे पूर्व में सुनील उनियाल गामा जी और विनोद चमोली जी ने भी छूट देने का प्रस्ताव बोर्ड की बैठक में रखा था परंतु कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। ठेली, रिक्शा वालों के लाइसेंस बनाते समय उनसे निवास प्रमाण पत्र भी लिए जाएं। लावारिस कुत्तों को पकड़कर उन्हें शहर से बाहर ऐसे स्थान पर रखा जाए जहां से जनता को असुविधा का सामना न करना पड़े या उनके रहने की व्यवस्था इस प्रकार हो जिससे वह जनता को परेशान ना करें ताकि जनता को असुविधा से बचाया जा सके।

नदी नालों नालियों की नियमित रूप से सफाई कराई जाए ताकि बरसात के दिनों में जनता को परेशानियों से बचाया जा सके। राजेंद्र नगर स्ट्रीट नंबर दो का नाम राज्य आंदोलनकारी रणजीत सिंह वर्मा के नाम पर रखा जाए पूर्व मेयर ने बोर्ड की बैठक में सड़क का नाम वर्मा के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया था। सफाई कर्मचारियों की भर्ती की जाए। सड़कों पर प्रकाश व्यवस्था में व्यापक सुधार कराए जाएं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। मुख्य विकास अधिकारी, रुद्रप्रयाग जी. एस. खाती की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना एवं पारदर्शिता के साथ सूचना उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर चर्चा करना था। यह कार्यशाला डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख रूप से संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार ने सूचना का अधिकार अधिनियम के सफल और प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसमें उल्लेखित धाराओं के संबंध में जानकारी प्रदान की।

अपने छोटे-छोटे कामों में भी अपने दिल, दिमाग और आत्मा को लगा दीजिए, यही सफलता का रहस्य है। -अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, मंगलवार, 18 फरवरी 2025
पेज थ्री
www.page3news.in

भारत की भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शिखर बैठक में भी कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं।

रहीस सिंह।।

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई एक्शन समिट ने जहां आने वाले दौर के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की अहमियत को रेखांकित किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह–अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक अपने इनोवेशन से पूरी दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। कम समय और बहुत कम लागत में चैटजीपीटी से कहीं बेहतर एआई टूल पेश करके डीपसीक ने बताया कि इस फील्ड में आउट ऑफ बॉक्स सोच से ज्यादा बड़ी चीज कुछ नहीं है।

इसमें दो राय नहीं कि क्ममचैममा ने वाकई कमाल किया है। लेकिन निरंतर बदलती, विकसित होती तकनीक वाली इस फील्ड में हर इनोवेशन की अपनी सीमाएं भी होती हैं, जिनका ध्यान रखने की जरूरत होती है। खासकर सुरक्षा से जुडे पहलू को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बिंदु पर इस चीनी इनोवेशन को भी कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शिखर बैठक में भी कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े–बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। एआई इनोवेशन में भारत पीछे छूटने का जोखिम नहीं उठा सकता।

विशेषता

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। नर्मदा परिक्रमा का मूल स्वरूप मार्कण्डेय परंपरा में मिलता है। इस परिक्रमा में तीन वर्ष, तीन माह,तीन दिन लगते हैं। जिन जिन सहायक नदियों का नर्मदा से संगम होता है, उन्हें लाँघा नहीं जाता बल्कि उनकी भी परिक्रमा करते हुए परकम्मावासी नर्मदा परिक्रमा को पूर्णता प्रदान करते हैं। यह भक्ति और शक्ति का अनूठा उपक्रम है जो आदिकाल से निभाया जा रहा है। परकम्मावासी बीच में जहाँ कहीं भी विश्राम करते हैं वहाँ उनके लिए ठहरने और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होती है। कोई पीठ पर सामान लादकर नहीं चलता। जहाँ धर्मशाला आदि नहीं होतीं वहाँ गाँव वाले अपने घरों की दहलान में या गाँव के मंदिर में ठहरने और भोजन की व्यवस्था अपना कर्तव्य मानकर करते हैं। ठहरने के ठिकानों पर भजन कीर्तन से भक्ति रस की सरिता बहती है।

संपादकीय

सूचना प्रोद्यौगिकी

आज सूचना प्रौद्योगिकी अब केवल एक सेक्टर नहीं, बल्कि हर उद्योग की आधारभूत आवश्यकता बन चुका है। स्वास्थ्य से लेकर कृषि, शिक्षा, उद्योग सहित हर क्षेत्र में आईटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। मप्र इस बदलाव का केंद्र बन रहा है। डिजिटल इंफास्ट्रक्चर, स्टार्ट अप्स और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी मिलकर नए अवसरों को जन्म दे रहे हैं। राज्य सरकार की आईटी और ईएसडीएम नीति, डेटा सेंटर पार्क, आईटी पार्क्स और इनक्यूबेटर्स के विकास ने मप्र को तकनीकी निवेश के लिए आकर्षक स्थान बनाया है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर आईटी कंपनियों के नए केंद्र बन रहे हैं। टीसीएस, इन्फोसिस, यश टेक्नॉलोजीज, इंपीट्स जैसी कंपनियां यहां पहले से ही हैं। अब 24–25 फरवरी को भोपाल में होने वाली जीआईएस में दश विदेश की अन्य विख्यात आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की बड़ी कंपनियां शामिल होंगी। जिससे मप्र इस सेक्टर में भी नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा। मध्यप्रदेश में उद्यमियों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार उनको कई तरह से प्रोत्साहन दे रही है। जिससे अधिक से अधिक निवेश यहां लाया जा सके।

स्वतंत्रता के बाद इंदौर देश की प्रमुख व्यापारिक नगरी के रुप में स्थापित हुआ और मुंबई के बाद देश की दूसरी आर्थिक राजधानी के रुप में प्रसिद्ध हुआ।

देश की दूसरी आर्थिक राजधानी

पवन वर्मा।।

मध्यप्रदेश को भारत का हृदय प्रदेश कहा और माना जाता है। प्राचीनकाल में देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रो में मध्यप्रदेश की पवित्रतम नगरी उज्जैन और विदिशा का उल्लेख प्रमुखता से मिलता है। सम्राट अशोक से लेकर राजा भोज और बाद में मुगलों और मराठाओं के काल में भी उज्जैन औद्योगिक नगरी के रुप में प्रसिद्ध रहा है। स्वतंत्रता के बाद इंदौर देश की प्रमुख व्यापारिक नगरी के रुप में स्थापित हुआ और मुंबई के बाद देश की दूसरी आर्थिक राजधानी के रुप में प्रसिद्ध हुआ। महेश्वर, चंदेरी अपने वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं तो बुधनी जैसा छोटा क्षेत्र अपने लकड़ी के सामानों के लिए देश विदेश में प्रसिद्ध है। रतलाम के नमकीन तो दुनिया भर में लोग चटखारे लेकर खाते हैं वहीं विदिशा की पतंगे भी शारजाह के आसमान में उड़ान भरती हैं। पचमढ़ी अप्रतिम सौंदर्य का प्रतीक है, तो माँ नर्मदा की अठखेलिया अमरकंटक से लेकर भेड़ाघाट, ओंकारेश्वर, महेश्वर में सभी की आस्था का केंद्र हैं। सांची के बौद्ध स्तूप और विदिशा में उदयगिरी की गुफाएं सदैव से देशी विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र रही है। ओरछा, मैहर,

सलकनपुर, देवास से लेकर भोजपुर, मानौरा और तरावली जैसे छोटे–छोटे गांव तक यहां धार्मिक आस्थाओं से भरे पड़े हैं। यहाँ देश विदेश से रोजाना सैकड़ों श्रद्धालु अपनी आस्था के चलते यहाँ आते हैं। मध्यप्रदेश ने अपनी इन धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को सदियों से अक्षुण्ण रखा है। अपनी प्राचीन सुस्थापित परंपराओं को जीवंत रखते हुए मध्यप्रदेश आधुनिकता के पथ पर भी सदैव गतिशील रहा है।

धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परम्पराओं से भरपूर ऐसे मध्यप्रदेश में अब ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। निसंस्देह यह आयोजन मध्यप्रदेश की असीमित क्षमताओं को संपूर्ण विश्व के सामने प्रस्तुत करने का स्वर्णिम अवसर है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस महत्वाकांक्षी आयोजन में विश्वभर के अनेक उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को आमंत्रित किया गया है। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि वह देश के सारे प्रमुख बाजारों से सीधे जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में यहां रेल सेवाओं के अलावा सड़ध्क एवं हवाई सेवाओं का भी सारे देश से अच्छा संपर्क बन चुका है। इन अनुकूल परिस्थतियों में मध्यप्रदेश उद्योगों और व्यापार के लिए केवल भारतीय ही नहीं बल्कि विश्व भर के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का भी कहना है कि मध्यप्रदेश ने अपनी ऐतिहासिक धरोहर को जीवंत रखा है और उसे आधुनिक विकास से जोड़ा है। यहां निवेश केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सतत विकास का माध्यम भी हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 24–25 फरवरी को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। भोपाल में पहली बार आयोजित इस सम्मिट से मध्यप्रदेश में जहां औद्योगिक क्रांति आएगी,वहीं लोगों को रोजगार और सरकार को भरपूर राजस्व भी मिलेगा।

सूडोकु नवताल-5326

✱✩✩✩✩ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5325 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

अपना ब्लॉग

सीधा संपर्क'

मोहन। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति पूरे देश को सीधा और सुगम संपर्क प्रदान करती है। राज्य में 6 प्रमुख हवाई अड्डे और 6 इनलैंड कंटेनर डिपो मौजूद हैं, जिससे वैश्विक व्यापार को गति मिलती है। प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और समर्पित फेट कॉरिडोर से जुड़ा। यह राज्य लॉजिस्टिक्स और परिवहन के लिए भी अनुकूल है। मध्यप्रदेश अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, ब्लॉक–चेन और साइबर सिक्योरिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राज्य में 15 आईटी पार्क और 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन पहले से कार्यरत है। आने वाले वर्षों में इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क–3 और 4 के साथ 50 एकड़ में डेटा सेंटर पार्क, जबलपुर में 1 लाख वर्गफुट का आईटी टॉवर और कई अन्य परियोजनाएं डिजिटल विकास को नई गति देंगी।

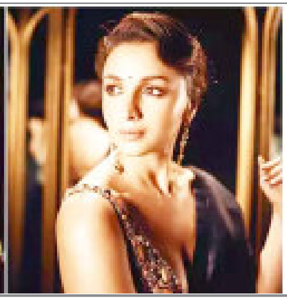

कल्कि 2898 एडी के डायरेक्टर संग फिल्म करेंगी आलिया भट्ट

नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी कल्कि 2898 एडी ने बीते साल बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे सितारों से सजी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1042.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब चर्चा है कि नाग अश्विन अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं और इसके लिए आलिया भट्ट से बात हो रही है। आलिया भट्ट इस वक्त संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं। फिलहाल, अक्टूबर 2025 तक इसकी शूटिंग पूरी होने की उम्मी है। अब रिपोर्ट के मुताबिक, सब ठीक रहा तो आलिया राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके डायरेक्टर नाग अश्विन के साथ काम करेंगी। बताया जा रहा है कि आलिया पिछले कुछ समय से एक ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं, जो लव एंड वॉर के बाद उनकी अगली फिल्म बन सके। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि नाग अश्विन कल्कि 2898 एडी के अगले भाग से पहले एक और फीचर फिल्म प्लान कर रहे हैं। इसमें कहा गया है, फिलहाल फिल्म के जॉनर, प्लॉट जैसी जानकारी को गुप्त रखा गया है, लेकिन नाग अश्विन अपनी अगली फिल्म के लिए आलिया भट्ट के साथ काम कर सकते हैं।

समय रैना–रणवीर केस संस्कृति विभाग के हवाले, धमकी के बाद अर्पूवा का शो कैंसिल

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के बयान पर विवाद जहां थमने का नाम नहीं ले रहा है, वहीं इसको लेकर अलग–अलग संस्थाएं अपने–अपने स्तर पर जांच में जुट गई हैं। समय रैना के शो इंडिया गोट लेटेंट शो से जुड़े तमाम कॉमेडियन्स को कई समन भेजे जा रहे हैं। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र का संस्कृति विभाग भी करेगा। राज्य के मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता में संस्कृति विभाग ने अश्लील भाषा वाले विवाद की जांच के आदेश दिए। दूसरी ओर, कॉमेडियन जसप्रीत सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ के एक प्रोफेसर ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी को शिकायत दी है। जबकि करनी सेना की धमकी के बाद अपूर्वा मखीजा का उदयपुर वाला शो भी रद्द कर दिया गया है। महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के दफ्तर के मुताबिक, इंडियाज गॉट लेटेंट शो को लेकर कई शिकायतें मिली हैं। इनसे ऐसे ही कई दूसरे शोज का भी जिक्र है, जिन्हें बिना उचित अनुमति के दर्शकों को टिकट बेचकर चलाया जा रहा है।

रुबीना दिलैक से एल्विश ने मांगी मदद तो छोटी बहू ने किया बेड़ा गर्क

कुकिंग रियलिटी शो लाफ्टर शो सीजन 2 हर एपिसोड में लोगों को जमकर हंसा रहा है। लोगों को एल्विश यादव और अब्दू रोजिक की जोड़ी पसंद आ रही है। दोनों हर डिश जुगलबंदी के साथ बना लेते हैं। मगर इस बार उन्हें मदद मांगना भारी पड़ा। लेटेस्ट एपिसोड में रुबीना ने जो किया, उसके बाद दोनों ने अपना माथा पीट लिया। दरअसल, लाफ्टर शेफ के आने वाले एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को पॉपकॉर्न और बुढ़ी के बाल बनाने को कहा जाता है। लेकिन इस दौरान अब्दू और एल्विश हेल्पलेस हो जाते हैं क्योंकि उनसे कॉटन कैंडी नहीं बनती। तो वह रुबीना दिलैक से मदद मांगते हैं। प्रोमो में एल्विश चिल्लाकर बोलते हैं, श्हेलो रुबीना जी, हेलो पड़ोसियों। इसके बाद रुबीना उनके काउंटर के पास आती हैं तो एल्विश उनसे कहते हैं कि वह उनका बनवा दें। फिर रुबीना पूछती हैं कि उन्हें क्या मिलेगा बदले में? तो समर्थ बीच में बोलते हैं, श्वह एक और स्टोरी डाल देंगे। फिर एक्ट्रेस चिढ़कर बोलती हैं, इतनी छोटी सोच है इस लड़के की। इसी वजह से मुझे ये बिलकुल पसंद नहीं।

लाफ्टर शेफ्स 2 से एल्विश को बाहर की मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एल्विश यादव इन दिनों लाफ्टर शेफ्स 2 में नजर आ रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव पर रेव पार्टी के लिए सांपों के जहर का इस्तेमाल और इसकी तस्करी का आरोप है। अब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने यूट्यूबर और रियलिटी टीवी पर्सनैलिटी एल्विश यादव के लाफ्टर शेफ्स 2 में भाग लेने के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। शो में एल्विश की मौजूदगी पर कड़ा विरोध जताते हुए तिवारी ने चैनल को लेटर लिखकर यादव को उनके कॉन्ट्रोवर्शल अतीत के कारण तुरंत शो से हटाने का रिक्वेस्ट किया है।

उसे शो से निकालो

अपने पत्र में तिवारी ने लिखा है, हम एल्विश यादव के प्रमोशन की कड़ी निंदा करते हैं। जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, उन्होंने बिग बॉस 18 के प्रतियोगी चुम दरंग के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी काफी आलोचना हुई है। इसके अलावा, उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें सांप के जहर वाली रेव पार्टी मामले में उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। रेव पार्टियों में कथित तौर पर सांप के जहर की व्यवस्था करने के आरोप में उन पर नोएडा में वाइल्डलाइफ एक्ट के तहत कानूनी आरोप भी हैं।

हम उनके उन सभी कामों की कड़ी निंदा करते हैं

तिवारी ने कहा, हमारे देश के युवा उन्हें बहुत पसंद करते हैं और उनकी हरकतें उन्हें अवैध गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती हैं। हम उनके उन सभी कामों की कड़ी निंदा करते हैं जो सोशल वेलफेयर और हमारे देश के वैल्यूज के खिलाफ हैं।

देश की भलाई के लिए आप उनके साथ अपना जुड़ाव बंद कर दें

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष ने आगे कहा, हम कलर्स चौनल द्वारा एल्विश यादव को बढ़ावा देने पर कड़ी आपत्ति जताते हैं और आपसे अनुरोध करते हैं कि समाज और देश की भलाई के लिए आप उनके साथ अपना जुड़ाव बंद कर दें। हमें उम्मीद है कि आप मामले की गंभीरता और हमारी चिंताओं को समझेंगे। हम आपकी तत्काल और आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद करते हैं।

चैनल के रिएक्शन का है सबको इंतजार

इस लेटर ने एक बड़े डिसकशन को जन्म दे दिया है। अब काफी लोग लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विशलयादव की भागीदारी के संबंध में चैनल की तरफ से रिएक्शन का इंतजार कर रहे हैं।

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने खुद को कहा हैदराबादी तो भड़के लोग

रश्मिका मंदाना कर्नाटक से हैं और इस बात को लेकर हमेशा उनपर सवाल उठाया जाता है कि वो खुद को हैदराबादी कहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की एक क्लिप वायरल हो गई जिसमें वो कह रही हैं कि वो हैदराबाद से हैं और इसे लेकर लोगों में आक्रोश भर गया है। वो रश्मिका को मौकापरस्त भी कह रहे हैं।

रश्मिका मंदाना लोगों के निशाने पर

इस छोटी क्लिप को बिना किसी टाइटल के ट्विटर पर शेयर किया गया, जिसमें लिखा था, कभी–कभी मुझे हमारे कन्नड़ लोगों से निगेटिविटी मिलने पर आपके लिए दया आती है। लेकिन जब आप इस तरह के बयान देते हैं, तो मुझे लगता है कि वे सही हैं, और आप इसी के हकदार हैं।

रश्मिका मंदाना हुईं ट्रोल

कई लोगों ने कमेंट किया कि रश्मिका के लिए इस तरह के बयान देना आम बात है। एक ने लिखा– मुझे लगता है कि वह तेलुगू दर्शकों और तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को प्रभावित करने की कोशिश करती हैं और इस तरह के बयान देती हैं। दूसरे ने कहा– क्या मौकाररस्त है। कुछ लोगों ने इस पर उनका सपोर्ट भी किया लेकिन ज्यादातर ने गलत ही कहा। एक ट्वीट में लिखा था– यह एक बड़ा मार्केट है, इसलिए वफादारी से ज्यादा एक स्मार्ट करियर ऑप्शन है।

फैंस ने किया बचाव

एक्ट्रेस के कई फैंस ने उनका बचाव भी किया। एक ने 2024 से रश्मिका का एक ट्वीट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कूर्ग के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की थी और लिखा, श्वह हमेशा दावा करती है कि वह कूर्ग से है और कोडवा साड़ी पहनती है। आप लोग बिना संदर्भ के कोई भी क्लिप निकाल लेते हैं और उसे दोषी ठहराते हैं। उसका मतलब था कि वह अब हैदराबाद में रह रही है, वह टूटे पैर के साथ हैदराबाद से मुंबई आई थी। वरना 1000 बार उसने कहा कि वह कूर्ग से है!

छावा ने कमाए 30 करोड़

काम की बात करें तो रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। लीड रोल में विक्की कौशल हैं और फिल्म ने पहले दिन ही 30 करोड़ की कमाई कर ली है।

डाइट सोडा पीना पसंद करते हैं तो पहले जान लीजिए

डाइट सोडा को आमतौर पर एक हेल्दी विकल्प के रूप में पेश किया जाता है, खासकर उन लोगों के लिए, जो वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं या शुगर की मात्रा कम करना चाहते हैं। हालांकि, डाइट सोडा का लॉन्ग टर्म इफेक्ट अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन क्या वास्तव में यह स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है?

डाइट सोडा और वेट लॉस
डाइट सोडा में कैलोरी ना के बराबर होती है इसलिए लोग मानते हैं कि यह वजन घटाने में मदद करता है। हालांकि, रिसर्च से पता चलता है कि डाइट सोडा पीने वाले लोगों का मेटाबॉलिज्म बदल सकता है। इससे मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ सकती है और लोग ज्यादा जंक फूड या मीठे खाद्य पदार्थ को खा सकते हैं। कुछ स्टडीज के अनुसार नियमित रूप से डाइट सोडा पीने वाले लोगों का अधिक वजन बढ़ाने की संभावना होती है। डाइट सोडा में वास्तविक चीनी मौजूद नहीं होती इसलिए इसे डायबिटीज रोगियों के लिए सुरक्षित माना जाता है। लेकिन कई रिसर्च बताते हैं कि नियमित रूप से डाइट सोडा पीने से इन्सुलिन रेजिस्टेंस बढ़ सकता है। यह थोड़े समय के लिए ब्लड शुगर स्पाइक्स को रोकने में मदद कर सकता है लेकिन लंबे समय तक अगर इसका सेवन किया जाए तो ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म प्रभावित हो सकता है।

हार्ट हेल्थ और डाइट सोडा
सामान्य सोडा के मुकाबले डाइट सोडा बेहतर विकल्प है लेकिन कुछ अध्ययन के अनुसार इसे हार्ट से जुड़ी समस्याओं से भी जोड़ा गया है। जो लोग अधिक डाइट सोडा पीते हैं, उनमें हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। नियमित रूप से इसका सेवन किया जाए तो हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी समस्याओं की संभावना भी बढ़ सकती है। डाइट सोडे में आर्टिफिशियल स्वीटनर मौजूद होने के कारण यह किडनी के फंक्शनिंग पर असर डाल सकता है। कुछ रिसर्च के अनुसार, जो लोग लंबे समय तक डाइट सोडा पीते हैं उनके किडनी के कार्य करने की क्षमता धीरे–धीरे कम हो सकती है। डाइट सोडा में फास्फोरिक एसिड मौजूद होता है जिससे गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन का खतरा भी बढ़ सकता है।

डाइट सोडा पीते हैं तो इन बातों का ध्यान रखें
डाइट सोडा में भले ही नेचुरल चीनी मौजूद नहीं होती फिर भी इसे रोज पीना सही नहीं है। इसकी आदत लगना नुकसानदायक साबित हो सकती है। यदि आपको मीठा पीने का बहुत मन होता है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। यह कार्बोनेटेड ड्रिंक है जिससे डिहाइड्रेशन होने के भी चांसेस होते हैं। इसलिए खुद को हाइड्रेट रखने पर ध्यान दें, ज्यादा पानी पिएं।

खाली पेट पिएं चुकंदर और चिया सीड्स वाला पानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चुकंदर और चिया सीड्स से बना पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल पाचन सुधारने और वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि शरीर को हाइड्रेट भी रखता है। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जैसे विटामिन बी9 (फोलेट), विटामिन सी, आयरन और पोटैशियम। चुकंदर ब्लड फ्लो और स्टैमिना बढ़ाने में मदद करता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। वहीं, चिया सीड्स ओमेगा–3 फैटी एसिड्स, फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट प्रियांशी भटनागर आपको बता रही हैं कि रोजाना सुबह चुकंदर और चिया सीड्स से बना पानी पीने से क्या–क्या फायदे होते हैं।

चुकंदर और चिया सीड्स में मौजूद पोषक तत्व
चुकंदर फोलेट, पोटैशियम और मैंगनीज का बेहतरीन स्रोत है, जो दिल की सेहत और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और डाइटरी नाइट्रेट्स शरीर में ब्लड फ्लो बढ़ाने, ब्लड प्रेशर कम करने और एक्सरसाइज परफॉर्मेंस सुधारने में सहायक होते हैं। यह लिवर को डिटॉक्स करने और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

पाचन सुधारता है
चिया सीड्स में फाइबर भरपूर होता है, जो कब्ज से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को दुरुस्त करने में मदद करता है। चुकंदर में मौजूद प्रीबायोटिक फाइबर अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है,

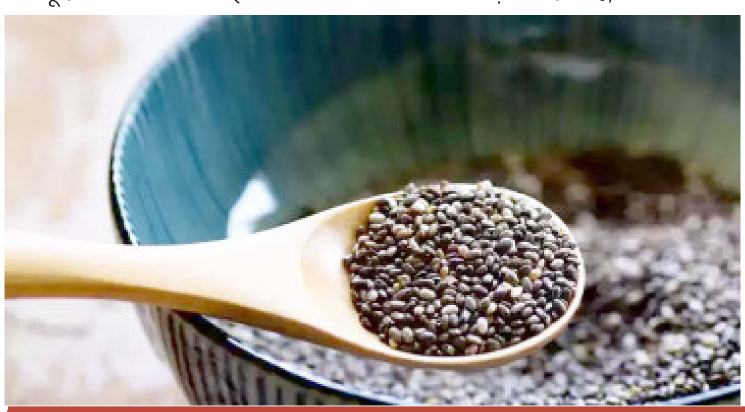

जिससे पेट स्वस्थ रहता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद
चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड फ्लो सुधारते हैं और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करते हैं। वहीं, चिया सीड्स में ओमेगा–3 फैटी एसिड्स होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करके दिल को मजबूत बनाते हैं। चुकंदर शरीर में ऑक्सीजन सप्लाई को बेहतर बनाता है। जिससे स्टैमिना बढ़ता है और थकान कम होती है। चिया सीड्स में प्रोटीन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो लंबे समय तक ऊर्जा बनाए रखते हैं। चिया सीड्स फाइबर से भरपूर होते हैं, जिससे पेट ज्यादा देर तक भरा रहता है और अधिक खाने की आदत पर कंट्रोल किया जा सकता है। चुकंदर मेटाबॉलिज्म तेज करता है और लिवर को डिटॉक्स करके वजन घटाने में मदद करता है।

लिवर को साफ करता है
चुकंदर में मौजूद बीटाइन और एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर को साफ करने में मदद करते हैं और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं।

त्वचा को निखारता है
चुकंदर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को सूरज और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। चिया सीड्स में ओमेगा–3 फैटी एसिड्स होते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं और उसे चमकदार बनाते हैं।

दिमाग तेज करता है
चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट्स दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं, जिससे याददाश्त और ध्यान क्षमता बढ़ती है। चिया सीड्स में ओमेगा–3 फैटी एसिड्स होते हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को मजबूत करते हैं और मानसिक स्वास्थ्य सुधारते हैं।

याददाश्त बढ़ाने के लिए क्या खाना चाहिए, अखरोट या बादाम?

न्यूट्रिशनिस्ट और डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा के अनुसार, इसका कारण इसमें मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल की अधिक मात्रा है। हालांकि, बादाम भी विटामिन ई और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत है, जो दिमाग की सेहत के लिए जरूरी हैं। अखरोट में ओमेगा–3 फैटी एसिड (2.5 ग्राम प्रति औंस) ज्यादा होता है, जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद है। अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल अधिक होते हैं, जो दिल और दिमाग की सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। अखरोट में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स ज्यादा होते हैं, जो दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं। बादाम में विटामिन ई (7.3 मिलीग्राम बनाम अखरोट में 0.7 मिलीग्राम) ज्यादा होता है, जो दिमाग और त्वचा के लिए अच्छा होता है। बादाम में कैलोरी और फैट (14 ग्राम होता है जबकि अखरोट में 18 ग्राम) कम होते हैं। बादाम में प्रोटीन (6 ग्राम बनाम अखरोट में 4 ग्राम) और मैग्नीशियम (76 मिलीग्राम बनाम अखरोट में 45 मिलीग्राम) ज्यादा होता है, जो मांसपेशियों और नसों के लिए फायदेमंद हैं। बादाम में विटामिन ई ज्यादा होता है, जो दिमाग की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाता है।

1 सिगरेट से कम हो जाती है 20 मिनट की जिंदगी

हाल ही में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के एक रिसर्च में सामने आया है कि दिन में 1 सिगरेट पीने से आपकी औसतन आयु में से 20 मिनट कम हो सकते हैं। एक सिगरेट से पुरुषों के जीवन से औसतन 17 मिनट और महिलाओं की लाइफ एक्सपेक्टेंसी 22 मिनट कम हो जाती है। अब आप सोच लीजिए कि आप अब तक अपनी उम्र में से कितनी आयु कम कर चुके हैं। इससे पहले भी सिगरेट को लेकर कई स्टडीज की जा चुकी हैं, लेकिन उनमें ऐसे आंकड़े सामने नहीं आए थे। यह आंकड़े पिछले अनुमानों से कहीं अधिक हैं। पहले हुए अध्ययन में बताया गया था कि एक सिगरेट पीने से जीवन के 11 मिनट कम हो जाते हैं, लेकिन अब लाइफ एक्सपेक्टेंसी करीब 20 मिनट कम होने की बात सामने आई है। इसका मतलब है कि अगर कोई 20 सिगरेट का एक पैकेट पी ले तो अपनी जिंदगी को करीब 7 घंटे कम कर सकता है। इस रिसर्च के बाद खुद वैज्ञानिकों के होश उड़ गए हैं। यूसीएल के शोधकर्ताओं का कहना है कि स्मोकिंग करने वाले व्यक्तियों को इस गलत आदत को छोड़कर नए साल की शुरुआत करनी चाहिए।

आयुर्वेद कैसे हमारी मानसिक हेल्थ को रख सकता है बेहतर

आयुर्वेद में मानसिक स्वास्थ्य का संबंध मन और शरीर के संतुलन से बताया गया है। प्राणायाम, योग, जड़ी–बूटियों के उपयोग और सही आहार से मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित किया जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार जब वात असंतुलित होता है तो चिंता, घबराहट, नींद ना आने की समस्या और मन स्थिर न रहने की समस्या देखी जा सकती है, इसे वात दोष कहते हैं। अगर पित्त असंतुलित हो जाए तो चिड़चिड़ापन, गुस्सा और हाइपरएक्टिविटी जैसी मानसिक स्थिति देखने को मिल सकती है, इसे पित्त दोष कहते हैं। वहीं अगर शरीर में कफ बढ़ जाए तो आलस्य, अवसाद, उदासी और सुस्ती छाने लगती है इसे कफ दोष कहते हैं। डिप्रेशन या चिंता के इलाज के लिए कई दवाएं उपलब्ध हैं लेकिन उनके कई बुरे प्रभाव भी होते हैं जैसे याददाश्त में कमी होना, आलस और दवाओं पर निर्भरता। लंबे समय तक अगर पारंपरिक दवाओं का इस्तेमाल किया जाए तो इसका प्रभाव भी कम होने लगता है, जिस कारण लोग अब नेचुरल और सुरक्षित उपचारों की ओर ध्यान दे रहे हैं। आयुर्वेद पर लोगों का भरोसा काफी गहरा है यह बिना किसी साइड इफेक्ट के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

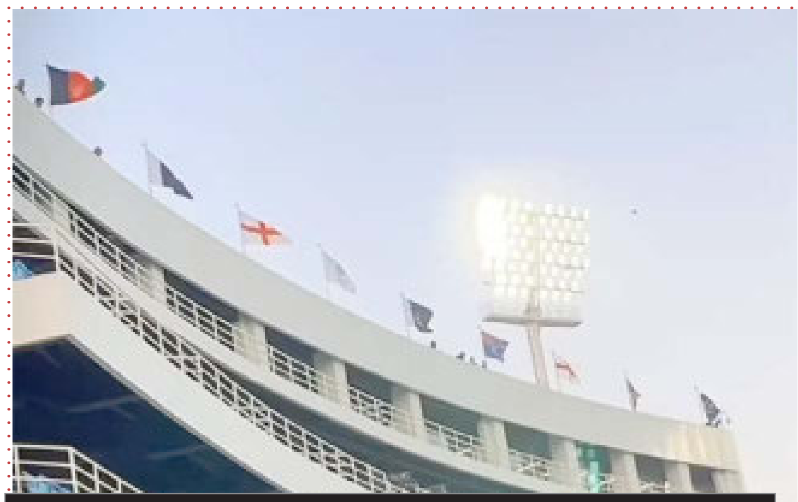

पाकिस्तान नहीं गई टीम इंडिया

बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच हुए समझौते के मुताबिक, पाकिस्तान भी भारत में होने वाले आईसीसी इवेंट्स में अपने मैच नहीं खेलेगा। यह विवाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से ठीक पहले सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कराची के नेशनल स्टेडियम में अन्य देशों के झंडे दिख रहे हैं, लेकिन भारतीय झंडा गायब है। इससे फैंस हैरान हैं और सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है। हालांकि, भारतीय झंडे की अनुपस्थिति का सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है।

कराची-लाहौर स्टेडियम में भारत का झंडा नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। कुछ न कुछ ऐसा जरूर कर देता है, जिससे विवाद हो जाता है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से पहले ही विवाद खड़ा हो गया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल स्टेडियम में भारतीय झंडा नहीं दिखाई देने पर फैंस ने सवाल उठाए हैं। ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले बाकी देशों के झंडे स्टेडियम में लगे थे, लेकिन भारत का झंडा गायब था। इससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई और कई फैंस हैरान रह गए। भारतीय झंडे के न होने की असली वजह अभी साफ नहीं है। लेकिन, माना जा रहा है कि भारत अपने सारे चौंपियंस ट्रॉफी मैच दुबई में खेल रहा है, इसलिए शायद पाकिस्तान ने ऐसा किया होगा। कराची स्टेडियम में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंग्लैंड के मैच होने वाले हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले ही स्टेडियम का एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में सभी देशों के झंडे दिख रहे थे, सिर्फ भारत का झंडा नहीं था

न्यूज डायरी

भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर 2 बार के विश्व विजेता की भविष्यवाणी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर बने माहौल को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि 23 फरवरी को दुबई में भारत अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहेगा। हरभजन ने कहा कि भारत की टीम पाकिस्तान से काफी मजबूत है और पाकिस्तान का प्रदर्शन भी हाल ही में अच्छा नहीं रहा है। इसलिए यह मुकाबला एकतरफा रहने की उम्मीद है। भारत ग्रुप ए में है और टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा। टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू हो रहा है। हरभजन सिंह ने भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर कहा- यह भारत-पाकिस्तान का मैच जरूरत से ज्यादा हाइप किया जा रहा है, क्योंकि इसमें कुछ खास नहीं है। भारत एक बहुत मजबूत टीम है। पाकिस्तान हाल ही में घर में खेलते हुए न्यूजीलैंड से हार गया था। पाकिस्तान एक बहुत ही असंगत टीम है, और अगर आप उनके आंकड़ों को देखें और भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों से तुलना करें, तो आपको एक स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी। भले ही हरभजन ने माना कि पिछले प्रदर्शन भविष्य के नतीजों की गारंटी नहीं देते, लेकिन उन्होंने अपने इस रुख को दोहराया कि भारत कहीं बेहतर है। उन्होंने कहा- जब मैं दोनों टीमों को देखता हूं, तो अंतर बहुत ज्यादा है।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के लिए खतरे की घंटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शुरू होने में अब कुछ ही दिन का समय रह गया है। सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम भी दुबई पहुंच गई है। टीम इंडिया का टूर्नामेंट में पहला मुकाबला बांग्लादेश के साथ 20 फरवरी को होगा, लेकिन उससे पहले एक खतरे की घंटी बज गई है। दरअसल दुबई में ट्रेनिंग के दौरान टीम के एक्स फैक्टर खिलाड़ी कहे जाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए हैं। उनकी यह चोट काफी गंभीर दिख रही थी। क्योंकि गेंद लगने के बाद वह जमीन पर लेट गए। ऋषभ पंत को ये चोट हार्दिक पांड्या के एक शॉट पर लगी। प्रैक्टिस के दौरान हार्दिक ने गेंद को हिट किया जो उनके बाएं टखने पर जाकर लगी। गेंद लगते ही वह नीचे गिर गए। इसके बाद हार्दिक भी दौड़कर उनके पास आए और पंत का हाल जाना है। इस घटना के बाद हार्दिक एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर चले गए। इसके कुछ देर बाद वे वापस पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे अपनी प्रैक्टिस पूरी की। हालांकि, उनकी ये चोट कितनी गंभीर है इसे लेकर फिलहाल कुछ जानकारी सामने नहीं आई, लेकिन जिस तरह से वह वापस लौटे उससे ये लगा कि सब सामान्य है।

दुबई पहुंचते ही प्रैक्टिस में जुटी भारतीय टीम, शमी का लेंथ पर जोर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शनिवार को दुबई पहुंची भारतीय टीम ने बिना कोई समय गंवाए रविवार से ही अभ्यास शुरू कर दिया। यहां के आईसीसी अकादमी प्रैक्टिस ग्राउंड पर भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों ने नेट्स पर पसीना बहाया। बल्लेबाजी के अभ्यास के दौरान हार्दिक पांड्या का एक शॉट पंत के घुटने पर लगा। हालांकि यह चोट गंभीर नहीं थी और पंत थोड़ी देर बाद ही पैड पहनकर नेट्स पर बल्लेबाजी करने उतरे। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और उसका पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा। इसके बाद 23 फरवरी को टीम चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारत का अंतिम लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। खिलाड़ियों के लिए एसओपी) सख्ती से लागू होने के बाद वैकल्पिक अभ्यास का सवाल ही नहीं था। कप्तान रोहित शर्मा से लेकर युवा हर्षित राणा से लेकर सभी अभ्यास के लिए मैदान पर उपस्थित रहे।

बुमराह की गैरमौजूदगी में शमी होंगे सबसे बड़े हथियार

क्रिकेट

पूर्व स्टार गेंदबाज बालाजी ने चैंपियंस ट्रॉफी पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत सबसे बड़ा दावेदार है, लेकिन जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने से उसका गेम कुछ बिगड़ता दिख रहा है। हालांकि, मोहम्मद शमी के दाहिने हाथ में जादूगर सा फन है और अपनी कलाई के झटके से वह दुनिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों को चकमा दे सकते हैं लेकिन क्या वह इस जादू से भारत को बारह साल बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद कर सकते हैं? प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी इस टूर्नामेंट में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस नहीं होने देंगे। बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वैसे शमी की तैयारियों को लेकर काफी चिंतायें भी हैं।

भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। चौतीस वर्ष के शमी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न स्तरों और अलग अलग प्रारूप में कुछ मैच खेले हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ जायेगा। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के साझेदार अर्शदीप सिंह होंगे लेकिन वह बुमराह की श्रेणी के गेंदबाज नहीं हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती का सामना कर लेंगे। भारतीय टीम में फिलहाल शमी सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 वनडे विश्व कप और पिछले विश्व कप (2023) में बुमराह से बेहतर गेंदबाजी की थी। बुमराह विभिन्न प्रारूपों में चैंपियन गेंदबाज है लेकिन शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी।' उन्होंने कहा, 'अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नयी गेंद से कमाल करना होगा। पहले छह ओवर में नयी गेंद से प्रदर्शन भारत के लिये काफी मायने रखेगा। अगर वह शुरुआती कामयाबी दिला सका तो भारत का मनोबल काफी बढ़ेगा।'

शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों का मार्गदर्शन करने की भी होगी। बालाजी ने कहा, 'शमी इस समय गेंदबाजों का अगुआ है।

टीम इंडिया के पहुंचते ही बदल दी गई दुबई की पिच, अब होगा बवाल!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। भारतीय टीम ने 5 स्पिनर चुने तो हर किसी ने यह कहते हुए आलोचना कि दुबई में तो हाल फिलहाल में पेसर कामयाब रहे हैं। फैसले पर सवाल उठ रहे थे इस बीच टीम इंडिया 15 फरवरी को दुबई के लिए रवाना हुई। वहां पहुंचते ही उसने आराम की बजाय प्रैक्टिस करने का फैसला किया। इधर खबर है कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को दुबई की धीमी पिचों से जूझना नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। यह बदलाव मैच के नतीजों को काफी प्रभावित कर सकता है।

भारत अपना अभियान 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगा। इसके बाद 23 फरवरी को

■तेज गेंद करने वाले स्पिनरों के लिए स्वर्ग होंगी ये पिचें

चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। अंत में 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज का समापन होगा। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे, जहां पिछले एक महीने में काफी क्रिकेट खेला गया है। पिछले साल महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के बाद से दुबई ने कई बड़े टूर्नामेंट आयोजित किए हैं। इनमें पुरुष अंडर-19 एशिया कप और जनवरी-फरवरी में आईएलटी20 लीग शामिल हैं।

आईएलटी20 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। हालांकि, अब खबर है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को जानबूझकर लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि वे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अच्छी स्थिति में रहें। एक सूत्र ने बताया- दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 10 मैच स्ट्रिप्स हैं। लीग स्टेज के दौरान, विशेष निर्देश था कि उन दो का अभी उपयोग नहीं किया जाएगा और उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नए रखा जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा- हालांकि, यह पता नहीं है कि प्लेऑफ के लिए दोनों में से किसी का इस्तेमाल किया गया था या नहीं। मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ज्यादा इस्तेमाल के बाद पिच धीमी और नीची न हो जाए और मैच खिंचे नहीं। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी।

ऑस्ट्रेलियाई विश्व विजेता कप्तान की 5 भविष्यवाणियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि रोहित शर्मा आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे। यही नहीं, उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी पर 5 भविष्यवाणी की है। पहली भविष्यवाणी क्लार्क ने कहा- देखिए, मैं कह रहा हूं कि भारत जीतेगा चैंपियंस ट्रॉफी। दूसरी भविष्यवाणी मैं कहूंगा रोहित शर्मा-टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी। तीसरी भविष्यवाणी में माइकल क्लार्क का यह भी मानना है कि जोफ्रा आर्चर इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज होंगे। कराने नहीं दें। चौथी भविष्यवाणी में ट्रैविस हेड होंगे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट। उन्होंने आखिरी भविष्यवाणी में कहा- मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया फाइनल हार सकता है। रोहित शर्मा की फॉर्म में वापसी से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। यह टूर्नामेंट काफी रोमांचक होने वाला है।

पेज थ्री देहरादून

रिस्पना और बिंदाल कॉरिडोर का कार्य जल्द शुरू किए जाने के निर्देश देते हुए सीएम।

देहरादून, मंगलवार, 18 फरवरी 2025

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

स्मार्ट सिटी के घटिया निर्माण कार्य पर उठाए सवाल

संवाददाता देहरादून। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक बार फिर पलटन बाजार में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत हुए घटिया निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बाजार क्षेत्र में टूटी टाइलों की कोई सुधा नहीं ले रहा। चौंबर सड़क से ऊंचे होने के कारण वाहन चालक, राहगीर चोटिल हो रहे हैं। नालियों का निर्माण कार्य योजनाबद्ध तरीके से नहीं होने के खामियाजा व्यापारी भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनियोजित विकास कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। महानगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा ने कहा कि जब तय समय तक मरम्मत कार्य की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्थाओं की है तो मरम्मत कार्य क्यों नहीं करवाया जा रहा।

छात्रों ने दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र और संरक्षण सामाजिक कल्याण समिति ने सोमवार को संयुक्त रूप से फूलचंद नारी शिल्प मंदिर इंटर कॉलेज देहरादून में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर कार्यशाला आयोजित की। इसमें बच्चों ने सूखे कूड़े से मॉडल तैयार कर स्वच्छता का संदेश दिया। यूसर्क के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल कार्यक्रम के मुख्यअतिथि रहे। संस्था की उपाध्यक्ष ऋचा नौटियाल ने संचालन किया।

बाजावाला रोड पर बंच केबल से राहत

संवाददाता देहरादून। कौलागढ़ वार्ड के बाजावाला रोड में बांस के जंगल में बंच केबल डालने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद जोशी ने बताया कि एक साल के लंबे इंतजार के बाद ऊर्जा निगम ने बंच केबल डालने का काम पूरा कर दिया है। इसके लिए वह लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। दो बार उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मे शिकायत भी दर्ज करवाई।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए बनेगी कार्ययोजना: मुख्यमंत्री

कार्यशाला

■ स्प्रिंगशेड प्रबंधन एवं जलवायु अनुकूलन पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता

देहरादून। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा और अन्तरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केन्द्र के साथ राजपुर रोड स्थित होटल में 'स्प्रिंगशेड प्रबंधन एवं जलवायु अनुकूलनः भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत विकास के लिए रणनीतियां विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हे.न. बहुगुणा विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतीय हिमालय क्षेत्र एक सतत भविष्य की ओर' का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से जहां भारतीय हिमालयी क्षेत्र में जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को बल मिलेगा, वहीं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए कार्ययोजना बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्प्रिंग शेड मैनेजमेंट और जलवायु संरक्षण की दिशा में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता बनाये रखने के लिए इकोनॉमी और इकोलॉजी के बीच समन्वय बनाकर कार्य किये जा रहे हैं। राज्य में जी.डी.पी की तर्ज पर जीईपी इंडेक्स तैयार कर जल, वन, भूमि और पर्वतों के पर्यावरणीय योगदान के आकलन के प्रयास किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देश का एक महत्वपूर्ण वाटर टावर भी है। यहां के ग्लेशियर पानी के अविरल स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिकी संकट से समस्याओं के समाधान के लिए राज्य में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 'स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी' का गठन किया गया है। इसके तहत 5500 जमीनी जलीय स्रोतों तथा 292 सहायक नदियों का चिन्हीकरण कर उपचार किया जा रहा है। हरेला पर्व पर राज्य में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। अमृत सरोवर योजना के तहत राज्य में 1092 अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी जोड़ो परियोजना के तहत पिडंर को कोसी, गगास, गोमती और गरूड़ नदी से जोड़ने का अनुरोध नीति आयोग से किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि देश के पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक जल स्रोतों के वैज्ञानिक पुनर्जीवीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

उपाध्यक्ष नीति आयोग सुमन के. बेरी ने हिमालयी राज्यों में खाली हो रहे गांवों को फिर से पुनर्जीवन दिए जाने के लिए बाहर बस गए लोगों को अपने गांवों में वापस लाने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने इसके लिए वाईब्रेंट विलेज योजना को गंभीरता से लेते हुए, ऐसे गांवों में रोजगार और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की बात कही।

संरक्षण के लिए सबको सामुहिक प्रयास करने होंगेः सिंचाई मंत्री

सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वजह से प्राकृतिक जल स्रोतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उत्तराखण्ड की परंपरा में जल स्रोतों को पवित्र माना जाता है और इनकी पूजा की जाती है। जल के महत्व को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए सबको सामुहिक प्रयास करने होंगे।

शहर को सुंदर बनाना नगर निगम की पहली प्राथमित्का

हरी झंडी

■मेयर और नगर आयुक्त ने इलेक्ट्रिक कूड़ा वाहनों को किया रवाना

संवाददाता

देहरादून। रिस्पना नदी से सटे इलाकों और बस्ती क्षेत्रों में डोर टू डोर कूड़ा उठाने के लिए सोमवार को मेयर सौरभ थपलियाल और नगर आयुक्त नमामी बंसल ने पंद्रह इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत खरीदे गए यह वाहन खासतौर पर संकरी गलियों के लिए डाजाइन करवाए गए हैं। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि दून शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना नगर निगम की पहली प्राथमिक्ता है। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत घरों से कूड़ा उठेगा तो यह सार्वजनिक जगहों, नदी नालों में डंप नहीं होगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि घर, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का कूड़ा सफाई वाहनों में ही डालें। नगर आयुक्त नमामी बंसल ने कहा कि निगम का लक्ष्य है कि समस्त वार्डों में कूड़ा उठान का कार्य इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से हो। इससे पर्यावरण प्रदुषण को कम करने में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि रिन्यू रिस्पना अभियान के दौरान रिस्पना नदी के आसपास और बस्तियों के लोगों ने मांग की थी कि यहां संकरी गलियों के लिए छोटे सफाई वाहन उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि जरूरत के हिसाब से निगम इन वाहनों की संख्या बढ़ाएगा।

इस दौरान उप नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल, सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, समस्त मुख्य सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता समिति में भ्रष्टाचार करने वालों से हो रिकवरी

कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मेयर सौरभ थपलियाल को ज्ञापन सौंपा। जिसके माध्यम से उन्होंने वार्डों में पूर्व में गठित स्वच्छता समिति के कर्मचारियों के वेतन के नाम पर हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर के साथ कांग्रेस ने कहा कि मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी की जांच में यह पुष्टि हुई थी कि 99 ऐसे कर्मचारियों के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान हुआ, जो केवल कागजों में काम कर रहे थे। मेयर ने जल्द ही इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

विधायक बोले खींचतान की आदत से बाज आएं अधिकारी

संवाददाता देहरादून। राजपुर रोड विधायक खजानदास ने सोमवार को नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान, यूपीसीएल के अधिकारियों के साथ राज्य योजना के तहत स्वीकृत देहरादून–रायपुर रोड में चूना भट्टा के निकट 55 मीटर विस्तार पुल के कार्यस्थल का निरीक्षण किया। विधायक खजानदास ने बताया कि वह लगातार इस पुल के कार्यारंभ के लिए प्रयासरत थे। मुख्यमंत्री धामी ने उनके अनुरोध पर देहरादून–रायपुर रोड में चूना भट्टा के निकट 55 मीटर विस्तार पुल के लिये 5.83 करोड रुपये की धनराशि स्वीकृत की थी। पुल विस्तार के लिए निर्माण कार्य प्रारम्भ होने मे हो रही देरी का संज्ञान लेते हुये विधायक ने संबधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर तलब किया और कार्य प्रारम्भ होने में विभागों की ओर से बरती जा रही शिथिलता पर रोष व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली सुधारने की हिदायत दी।

सड़क चौड़ीकरण को ग्रामीणों ने उपवास रख किया प्रदर्शन

संवाददाता ऋषिकेश। डोईवाला–दूधली मार्ग का चौड़ीकरण नहीं होने से दूधली के ग्रामीण परेशान हैं। इसके लिए उन्होंने आंदोलन शुरू कर दिया है। सोमवार को ग्रामीणों ने धरना–प्रदर्शन और उपवास रखा। सोमवार को नांगल बुलंदावाला स्थित शहीद स्थल पर दूधली के ग्रामीणों ने धरना दिया और उपवास रखा। जिला पंचायत सदस्य टीना सिंह ने कहा कि डोईवाला–दूधली मार्ग का चौड़ीकरण नहीं होने से क्षेत्रवासी परेशान है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।